नवनिर्माण के 9 वर्ष

उत्तर प्रदेश

उच्च शिक्षा का नया गंतव्य

उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों में उच्च, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव का गवाह बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए व्यापक गुणात्मक सुधार किए गए हैं। आज प्रदेश के हर मंडल में राज्य विश्वविद्यालय और प्रत्येक जनपद में राजकीय महाविद्यालयों का जाल बिछ चुका है। शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए न केवल बड़े पैमाने पर शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा गया, बल्कि नए पदों का सृजन भी किया गया है। इसके साथ ही, पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर स्टार्टअप, कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन प्रयासों के चलते राज्य के युवाओं के लिए नवाचार, उद्यमिता और रोजगार के नए व बेहतर अवसर पैदा हुए हैं।

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का संजाल (नेटवर्क)

विश्वविद्यालयों का वर्गीकरण

- **38** राज्य विश्वविद्यालय
- **52** निजी विश्वविद्यालय
- **01** डीम्ड विश्वविद्यालय
- **01** मुक्त विश्वविद्यालय

महाविद्यालयों का विवरण

राजकीय महाविद्यालय	एडेड महाविद्यालय	स्ववित्तपोषित महाविद्यालय
217	331	7,482

नए राज्य विश्वविद्यालयों की श्रृंखला

प्रदेश के विभिन्न अंचलों में निम्नलिखित आधुनिक विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है

- मां शाकुंभरी राज्य विश्वविद्यालय, सहारनपुर
- मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, मिर्जापुर
- महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़
- काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही
- राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- गुरु जंभेश्वर राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद
- मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय, बलरामपुर

विशिष्ट एवं विषय-आधारित शिक्षा का विस्तार

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य: अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ
- आयुष चिकित्सा: गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- कृषि एवं तकनीकी: महात्मा गौतम बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुशीनगर
- कानूनी शिक्षा: डॉ. राजेंद्र प्रसाद विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज
- खेल एवं शारीरिक शिक्षा: मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय, मेरठ
- समावेशी शिक्षा: जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय को अब पूर्ण राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा





उच्च शिक्षा में विकास एवं नवाचार के नए आयाम

- एक मंडल-एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना साकार
- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु राज्यस्तरीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ पूर्ण रूप से क्रियाशील
- वर्ष 2025-26 में 71 नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालयों में पठन-पाठन कार्य प्रारंभ
- असेवित जिलों में विश्वविद्यालयों की स्थापना को प्रोत्साहन हेतु उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति-2024 लागू
- जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा
- 'अटल बिहारी वाजपेयी चेवनिंग स्कॉलरशिप' के तहत छात्रवृत्ति देने की योजना, यूपी सरकार और ब्रिटेन सरकार के सहयोग से ब्रिटेन में उच्च शिक्षा हेतु यूपी के मेधावी छात्रों को शिक्षण शुल्क, मासिक भत्ता व हवाई किराया सहित प्रति छात्र 23 लाख रुपये का अनुदान
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु यूपी के समस्त विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में क्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम, रोजगारपरक, व्यवसायिक व वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित
- प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में नैक की A++ श्रेणी में विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़कर 9 हुई
- गोरखपुर में प्रदेश के दूसरे सैनिक स्कूल, फॉरेस्ट्री कॉलेज एवं आधुनिक एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी की भव्य स्थापना

तकनीकी शिक्षा का विस्तार

- मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी), गोरखपुर ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देश के शीर्ष 100 संस्थानों में स्थान प्राप्त
- मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग तथा टाइम्स इम्पैक्ट रैंकिंग में भी प्रतिष्ठित स्थान
- हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) में एमटेक (स्ट्रक्चर), एमएससी (बायोकेमिस्ट्री), बायोटेक्नोलॉजी, बीटेक (सीएसई-एआई एवं एमएल) तथा बीबीए सहित अनेक नए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए
- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ को एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्रदान की गई
- प्रदेश में तकनीकी, प्रबंधन, फार्मेसी एवं व्यावसायिक शिक्षा का सुदृढ़ और व्यापक तंत्र विकसित किया गया
- गोंडा, बस्ती, प्रतापगढ़ एवं मीरजापुर के नए राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में शिक्षण कार्य प्रारंभ
- राज्य में डिप्लोमा स्तर पर 199 राजकीय, 19 अनुदानित तथा 29 पीपीपी मॉडल संस्थान संचालित
- 89 पॉलिटेक्निक संस्थानों में एआईसीटीई मानकों के अनुरूप लैंग्वेज लैब तथा 251 स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की गई, जबकि संस्थानों के आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण का कार्य निरंतर जारी

डिजिटल क्रांति से संवरती उच्च शिक्षा

- 116 महाविद्यालयों में 205 स्मार्ट क्लास स्थापित; 83 में कार्यरत, 33 हेतु बजट स्वीकृत
- 120 महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क हेतु 6-6 कंप्यूटर
- छात्रों को मोबाइल/टैबलेट वितरण
- ई-कंटेंट स्टूडियो स्थापित; 77,000+ई-कंटेंट उपलब्ध
- स्थानांतरण नीति, संबद्धता प्रक्रिया, काउंसलिंग, सेवा विवरण-सम्पूर्णत: ऑनलाइन
- उत्तर प्रदेश के स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए "एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति योजना" की शुरुआत



ADVERTORIAL